IV 17/17

एक सौ रुपये

रु. 100

HUNDRED

भारत INDIA

INDIA NON JUDI

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

ट्रस्टडीड

ऊँ सत्यनाम कोटवा धाम एजूकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट

समाज के सम्मानित व्यक्तियों, समाज सेवियों, शिक्षाविदो, सहयोगियों, दानियों तथा भारतीय संस्कृति के पोषक व्यक्तियों की एक बैठक दिनांक 20.12.2017 को ग्रा0–सिहसिह, पूरे सिरवार, पो0–अंजरौली, तह0–मिल्कीपुर, जिला–फैजाबाद में प्रात: 10.00 बजे सम्पन्न की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शैक्षिक, धार्मिक एवं सामाजिक आवश्यकतानुसार "ऊँ सत्यनाम कोटवा धाम एजूकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट" की स्थापना किया जाये तथा इसका पंजीकरण कराया जाय। ट्रस्ट के गठन की आवश्यकता, उद्देश्य तथा उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रस्ताव पारित किया गया कि "ऊँ सत्यनाम कोटवा धाम एजूकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट" के द्वारा ही समस्त कार्यक्रम संचालित होंगें। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णयोपरान्त मैं राम सजीवन मिश्र अध्यक्ष पद पर कार्यरत हूँ, को ट्रस्ट के गठन तथा ट्रस्ट को स्थापित करने का अधिकार सर्वसम्मति से दिया गया।

हम ट्रस्टीज इस शुभ कार्य के लिए मु0 5000/–रूपये इस ट्रस्ट को समर्पित करते है। अत: मैं राम सजीवन मिश्र इस न्यास पत्रक द्वारा उपरोक्त कार्य प्रयोजन व अन्य उद्देश्यों एवं प्रयोजनो जिनका विवरण इस न्यास–पत्रक में आगे विस्तार से उल्लिखित है, इस न्यास के न्यासीगण को नामित एवं नियुक्त कर जिनका नाम आगे इस न्यास पत्र में वर्णित है।"

" ट्रस्ट नामक उपरोक्त ट्रस्ट की घोषणा करके स्थापित करता हूँ।

1. ट्रस्ट का नाम :– ऊँ सत्यनाम कोटवा धाम एजूकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट
2. ट्रस्ट का पता :– ग्रा0–सिहसिह, पूरे सिरवार, पो0–अंजरौली, तह0–मिल्कीपुर जिला–फैजाबाद (उ0प्र0)
3. ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र :– सम्पूर्ण भारतवर्ष

रामसजीवन मिश्रा

प्रमाणित ... रामसजीवन मिश्रा

भारतीय गैर न्यायिक
एक सौ रुपये
Rs. 100
रु. 100
ONE HUNDRED RUPEES
भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

4. ट्रस्ट का उद्देश्य :-

1. क्षेत्र के नागरिकों में देश की एकता अखण्डता हेतु देश प्रेम की भावना जागृत करना एवं राष्ट्रीय एकता, सामाजिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक, बौद्धिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास करना।

2. जनहितार्थ पूजा स्थल, धर्मशाला, धर्मार्थ आश्रम, वृद्धा आश्रम, अनाथालय, विधवा आश्रम, व्यायामशाला आदि की स्थापना करना तथा स्मारक, सरोवर आदि का निर्माण एवं जीर्णोधार कराना।

3. जन कल्याणार्थ आश्रम पद्धति पर आधारित शिक्षा संस्थानों का निर्माण करना।

4. बालक/बालिकाओं के लिए प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा की व्यवस्था हेतु विद्यालय/ महाविद्यालय की स्थापना करना एवं उसका संचालन करना।

5. ट्रस्ट द्वारा धमार्थ चिकित्सालय, औषधालय, वाचनालय, पुस्तकालय, छात्रावास आदि का निर्माण करना एवं निःशुल्क संचालन करना।

6. दैवी आपदाओं में जैसे–बाढ़, सूखा, अग्निकांण्ड, भूकम्प, तूफान आदि में राहत कार्य करना एवं पीड़ित व्यक्ति की हर सम्भव सहायता करना।

7. उक्त न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, समाज कल्याण विभाग, विदेशी संस्थाओं, वित्तीय संस्थाओं एवं अन्य इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं से चल–अचल सम्पत्ति दान स्वरुप प्राप्त करना तथा भवन आदि का निर्माण करना।

8. न्यास को सम्पन्न, समृद्ध एवं स्वावलम्बी बनाने हेतु धन, सम्पत्ति, भूमि–भवन, वाहन उपकरण इत्यादि क्रय करना अथवा समाज से प्राप्त करना।

9. समाज के मंदबुद्धि, मूक बधिरो, विकलांगो, नेत्रहीनो, विधवाओ, वृद्धो, मजदूरों, कारीगरो, तथा निराश्रितो बेरोजगारो के कल्याण एवं उत्थान हेतु कार्य करना।

क्रमशः पृष्ठ ....(3) पर

राम सजीवन मिश्रा

शम्भू सजीवन मिश्रा